

भाग-III**हरियाणा सरकार**

खाद्य तथा औषधि प्रशासन विभाग

अधिसूचना

दिनांक 28 जनवरी, 2018

संख्या सांका०नि० 8/संवि०/अनु० 309/2019.— भारत के संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तु द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, हरियाणा के राज्यपाल, इसके द्वारा, हरियाणा खाद्य तथा औषधि प्रशासन विभाग, मुख्यालय (ग्रुप घ) सेवा में नियुक्त व्यक्तियों की भर्ती तथा उनकी सेवा की शर्तों को विनियमित करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात्:—

भाग-I—सामान्य

1. (1) ये नियम हरियाणा खाद्य तथा औषधि प्रशासन विभाग, मुख्यालय (ग्रुप घ) सेवा नियम, 2019, कहे जा सकते हैं। संक्षिप्त नाम तथा प्रारम्भ।
- (2) ये राजपत्र में इनके प्रकाशन की तिथि से लागू होंगे।
2. इन नियमों में, जब तक संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो, — परिभाषाएं।
 - (क) “आयोग” से अभिप्राय है, हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग ;
 - (ख) “सीधी भर्ती” से अभिप्राय है, कोई भी नियुक्ति, जो सेवा में से पदोन्नति या भारत सरकार या किसी राज्य सरकार की सेवा में पहले से लगे किसी पदधारी के स्थानान्तरण से अन्यथा की गई हो ;
 - (ग) “आयुक्त” से अभिप्राय है, आयुक्त, खाद्य तथा औषधि प्रशासन विभाग;
 - (घ) “सरकार” से अभिप्राय है, प्रशासनिक विभाग में हरियाणा राज्य की सरकार ;
 - (ङ) “कार्यालयाध्यक्ष” का वही अर्थ होगा जो इसे हरियाणा सिविल सेवा (सामान्य) नियम, 2016 में दिया गया है।
 - (च) “संस्था” से अभिप्राय है:—
 - (i) हरियाणा राज्य में लागू विधि द्वारा स्थापित कोई संस्था ; या
 - (ii) इन नियमों के प्रयोजन के लिए सरकार द्वारा मान्यताप्राप्त कोई अन्य संस्था;
 - (छ) “सेवा” से अभिप्राय है, हरियाणा खाद्य तथा औषधि प्रशासन विभाग, मुख्यालय(वर्ग घ) सेवा।

भाग-II सेवा में भर्ती

3. सेवा में, इन नियमों के परिशिष्ट क में दर्शाए गए पद समाविष्ट होंगे : पदों की संख्या और उनका स्वरूप।
परन्तु इन नियमों की कोई भी बात ऐसे पदों की संख्या में वृद्धि या कमी करने या विभिन्न पदनामों और वेतनमानों वाले नए पद स्थायी अथवा अस्थायी रूप से बनाने के लिए सरकार के अन्तर्निहित अधिकार पर प्रभाव नहीं डालेगी।
4. (1) कोई भी व्यक्ति सेवा में किसी भी पद पर तब तक नियुक्त नहीं किया जाएगा, जब तक वह निम्नलिखित न हो, सेवा में नियुक्त किए गए उम्मीदवारों की राष्ट्रिकता, अधिवास तथा चरित्र।
 - (क) भारत का नागरिक ; या
 - (ख) नेपाल की प्रजा ; या
 - (ग) भूटान की प्रजा ;
 परन्तु प्रवर्ग (ख) या (ग) से संबंधित व्यक्ति, किसी प्रवर्ग का ऐसा व्यक्ति होगा जिसके पक्ष में भारत सरकार द्वारा पात्रता का प्रमाण—पत्र जारी किया गया हो।
 - (2) कोई भी व्यक्ति, जिसकी दशा में पात्रता का प्रमाण—पत्र प्राप्त करना आवश्यक हो, उसे आयोग या किसी अन्य भर्ती प्राधिकरण द्वारा संचालित परीक्षा या साक्षात्कार के लिए प्रविष्ट किया जा सकता है, किन्तु नियुक्ति का प्रस्ताव उसे सरकार द्वारा आवश्यक पात्रता प्रमाण—पत्र जारी किए जाने के बाद ही दिया जा सकता है।
 - (3) कोई भी व्यक्ति, सेवा में, किसी पद पर सीधी भर्ती द्वारा तब तक नियुक्त नहीं किया जाएगा, जब तक वह अपनी अंतिम उपस्थिति के विश्वविद्यालय, महाविद्यालय, विद्यालय या ऐसी संस्था, यदि कोई हो, के प्रधान, शैक्षणिक अधिकारी से चरित्र प्रमाण—पत्र और दो अन्य जिम्मेदार व्यक्तियों से, जो उसके संबंधी न हों, किन्तु उसके व्यक्तिगत जीवन से भली-भांति परिचित हों और जो उसके विश्वविद्यालय, महाविद्यालय, विद्यालय या संस्था से संबंधित न हों, उसी प्रकार के प्रमाण—पत्र प्रस्तुत न करे।

- आयु। 5. सेवा में भर्ती के लिए आयु सीमा ऐसी होगी जो, हरियाणा ग्रुप घ कर्मचारी (भर्ती तथा सेवा की शर्तें) अधिनियम, 2018 (2018 का 5) की धारा 6 में विनिर्दिष्ट हैं।
- नियुक्ति प्रधिकारी। 6. सेवा में पदों पर नियुक्तियां कार्यालयाध्यक्ष द्वारा की जाएंगी।
- अर्हताएं। 7. कोई भी व्यक्ति, सेवा में किसी पद पर तब तक नियुक्त नहीं किया जाएगा, जब तक वह सीधी भर्ती की दशा में, इन नियमों के परिशिष्ट ख के खाना 3 में विनिर्दिष्ट और सीधी भर्ती से अन्यथा नियुक्ति की दशा में, पूर्वोक्त परिशिष्ट ख के खाना 4 में विनिर्दिष्ट अर्हताएं तथा अनुभव न रखता हो।
- निरर्हताएं। 8. कोई भी व्यक्ति, —
 (क) जिसने जीवित पति/पत्नी वाले व्यक्ति से विवाह कर लिया है या विवाह की संविदा कर ली है ; या
 (ख) जिसने पति/ पत्नी के जीवित होते हुए, किसी अन्य व्यक्ति से विवाह कर लिया है या विवाह की संविदा कर ली है,
 सेवा में किसी भी पद पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा :
 परन्तु यदि सरकार की सन्तुष्टि हो जाए कि ऐसे व्यक्ति तथा विवाह के दूसरे पक्ष पर लागू स्वीय विधि के अधीन ऐसा विवाह अनुज्ञेय है तथा ऐसा करने के अन्य आधार भी हैं, तो वह किसी भी व्यक्ति को इस नियम के लागू होने से छूट दे सकती है।
- भर्ती का ढंग। 9. सेवा में भर्ती निम्नलिखित ढंग से की जाएगी :—
सेवादार की दशा में,—
 (i) सीधी भर्ती द्वारा ; या
 (ii) किसी राज्य सरकार या भारत सरकार की सेवा में पहले से ही लगे किसी कर्मचारी के स्थानान्तरण या प्रतिनियुक्ति द्वारा।
- परिवीक्षा। 10. (1) सेवा में किसी भी पद पर नियुक्त व्यक्ति, यदि वह सीधी भर्ती द्वारा नियुक्त किया गया हो, तो दो वर्ष की अवधि के लिए और यदि अन्यथा नियुक्त किया गया हो, तो एक वर्ष की अवधि के लिए परिवीक्षा पर रहेगा :
 परन्तु —
 (क) ऐसी नियुक्ति के बाद, किसी अनुरूप या उच्चतर पद पर प्रतिनियुक्ति पर व्यतीत की गई कोई अवधि, परिवीक्षा की अवधि में गिनी जाएगी ;
 (ख) स्थानान्तरण द्वारा किसी नियुक्ति की दशा में, सेवा में किसी पद पर नियुक्ति से पहले किसी समकक्ष अथवा उच्चतर पद पर किए गए कार्य की कोई अवधि नियुक्ति प्राधिकारी के विवेक पर, इस नियम के अधीन निश्चित परिवीक्षा अवधि में गिनने की अनुमति दी जा सकती है ; और
 (ग) स्थानापन्न नियुक्ति की कोई अवधि परिवीक्षा पर व्यतीत की गई अवधि के रूप में गिनी जाएगी, किन्तु कोई भी व्यक्ति जिसने ऐसे स्थानापन्न रूप में कार्य किया है, परिवीक्षा की विहित अवधि के पूरी होने पर, यदि वह किसी स्थायी पद पर नियुक्त न किया गया हो, पुष्ट किए जाने का हकदार नहीं होगा।
 (2) यदि, नियुक्ति प्रधिकारी की राय में, परिवीक्षा की अवधि के दौरान किसी व्यक्ति का कार्य या आचरण संतोषजनक न रहा हो, तो वह, —
 (क) यदि ऐसा व्यक्ति सीधी भर्ती द्वारा नियुक्त किया गया हो, तो उसे उसकी सेवाओं से अलग कर सकता है ; और
 (ख) यदि ऐसा व्यक्ति सीधी भर्ती से अन्यथा नियुक्त किया गया हो तो, —
 (i) उसे उसके पूर्व पद पर प्रतिवर्तित कर सकता है या
 (ii) उसके संबंध में किसी ऐसी अन्य रीति में कार्रवाई कर सकता है जो उसकी पूर्व नियुक्ति के निबंधन तथा शर्तें अनुज्ञात करे।
 (3) किसी व्यक्ति की परिवीक्षा अवधि पूरी होने पर, नियुक्ति प्राधिकारी,—
 (क) यदि उसकी राय में, उसका कार्य या आचरण संतोषजनक रहा हो तो, —
 (i) ऐसे व्यक्ति को, यदि वह किसी स्थायी रिक्ति पर नियुक्त किया गया हो, तो उसे उसकी नियुक्ति की तिथि से पुष्ट कर सकता है ; या
 (ii) ऐसे व्यक्ति को, यदि वह किसी अस्थायी रिक्ति पर नियुक्त किया गया है, स्थायी रिक्ति होने की तिथि से पुष्ट कर सकता है ; या

- (iii) यदि कोई स्थायी रिक्ति न हो, तो घोषित कर सकता है कि उसने अपनी परिवीक्षा अवधि संतोषजनक ढंग से पूर्ण कर ली है ; या
- (ख) यदि उसकी राय में उसका कार्य या आचरण संतोषजनक न रहा हो, तो, —
- (i) यदि वह सीधी भर्ती द्वारा नियुक्त किया गया हो, तो उसे उसकी सेवाओं से अलग कर सकता है, यदि अन्यथा नियुक्त किया गया हो, तो उसे उसके पूर्व पद पर प्रतिवर्तित कर सकता है या उसके संबंध में ऐसी अन्य रीति में कार्यवाही कर सकता है, जो उसकी पूर्व नियुक्ति के निबंधन तथा शर्तें अनुज्ञात करे ; या
- (ii) उसकी परिवीक्षा अवधि बढ़ा सकता है और उसके बाद ऐसे आदेश कर सकता है, जो वह परिवीक्षा की प्रथम अवधि की समाप्ति पर कर सकता था :
- परन्तु परिवीक्षा की कुल अवधि, जिसमें बढ़ाई गई अवधि, यदि कोई हो, भी शामिल है, तीन वर्ष से अधिक नहीं होगी।

11. सेवा के सदस्यों की परस्पर ज्येष्ठता सेवा में किसी भी पद पर उनके लगातार सेवाकाल के अनुसार निश्चित की जाएगी :

परन्तु जहां सेवा में विभिन्न संवर्ग हों, वहां ज्येष्ठता प्रत्येक संवर्ग के लिए अलग-अलग निश्चित की जाएगी :

परन्तु यह और कि सीधी भर्ती द्वारा नियुक्त सदस्यों की दशा में, ज्येष्ठता निश्चित करते समय आयोग द्वारा अवधारित योग्यताक्रम भंग नहीं किया जाएगा :

परन्तु यह और कि एक ही तिथि को नियुक्त दो या दो से अधिक सदस्यों की दशा में, उनकी ज्येष्ठता निम्नलिखित रूप से निश्चित की जाएगी:—

- (क) सीधी भर्ती द्वारा नियुक्त सदस्य पदोन्नति या स्थानान्तरण द्वारा नियुक्त सदस्य से ज्येष्ठ होगा ;
- (ख) पदोन्नति द्वारा नियुक्त सदस्य स्थानान्तरण द्वारा नियुक्त सदस्यों से ज्येष्ठ होगा ;
- (ग) पदोन्नति अथवा स्थानान्तरण द्वारा नियुक्त सदस्यों की दशा में ज्येष्ठता ऐसी नियुक्तियों में उन सदस्यों की ज्येष्ठता के अनुसार निश्चित की जाएगी, जिनसे वे पदोन्नत या स्थानान्तरण किए गए थे ; और
- (घ) विभिन्न संवर्गों से स्थानान्तरण द्वारा नियुक्त सदस्यों की दशा में, ज्येष्ठता वेतन के अनुसार निश्चित की जाएगी, अधिमान ऐसे सदस्यों को दिया जाएगा, जो अपनी पहले की नियुक्ति में उच्चतर पद पर वेतन ले रहा था, और यदि मिलने वाले वेतन की दर भी समान हो, तो उनकी ज्येष्ठता उनकी नियुक्तियों में उनके सेवाकाल के अनुसार निश्चित की जाएगी और यदि सेवाकाल भी समान हो, तो आयु में बड़ा सदस्य आयु में छोटे सदस्य से ज्येष्ठ होगा।

12. (1) सेवा का कोई भी सदस्य, नियुक्ति प्राधिकारी द्वारा, हरियाणा राज्य के भीतर अथवा उसके बाहर किसी भी स्थान पर, सेवा करने के लिए आदेश दिए जाने पर ऐसा करने के लिए दायी होगा।

सेवा करने का दायित्व।

(2) सेवा के किसी सदस्य को सेवा के लिए निम्नलिखित के अधीन प्रतिनियुक्त किया जा सकता है,—

- (i) किसी कम्पनी, संगठन या व्यष्टि—निकाय, चाहे वह निगमित हो या नहीं, जिसका पूर्ण या अधिकांश स्वामित्व या नियंत्रण राज्य सरकार के पास है, हरियाणा राज्य के भीतर, नगर निगम या स्थानीय प्राधिकरण अथवा विश्वविद्यालय;
- (ii) केन्द्रीय सरकार या कोई कंपनी, संगठन या व्यष्टि निकाय, चाहे वह निगमित हो या नहीं, जिसका पूर्ण या अधिकांश स्वामित्व या नियंत्रण केन्द्रीय सरकार के पास हो;
- (iii) कोई अन्य राज्य सरकार, अन्तर्राष्ट्रीय संगठन, स्वायत्त निकाय, जिसका नियंत्रण सरकार के पास न हो, अथवा कोई गैर-सरकारी निकाय :

परन्तु सेवा के किसी भी सदस्य को उसकी सहमति के बिना खण्ड (ii) या खण्ड (iii) में निर्दिष्ट केन्द्रीय या किसी अन्य राज्य सरकार या किसी संगठन या निकाय में सेवा करने के लिए प्रतिनियुक्त नहीं किया जाएगा।

- वेतन, छुट्टी, पेंशन तथा अन्य सभी मामले।
- अनुशासन, शास्तियां तथा अपीलें।
- टीका लगवाना।
- राजनिष्ठा की शपथ।
- ढील देने की शक्ति।
- विशेष उपबन्ध।
- आरक्षण।
- 13.** हरियाणा ग्रुप घ कर्मचारी (भर्ती तथा सेवा की शर्तें) अधिनियम, 2018 (2018 का 5) की धारा 4 में विनिर्दिष्ट।
- 14.** (1) अनुशासन, शास्तियां तथा अपीलों से संबंधित मामलों में, सेवा के सदस्य हरियाणा सिविल सेवा (दण्ड तथा अपील) नियम, 2016, द्वारा शासित होंगे :
परन्तु ऐसी शास्तियों का स्वरूप, जो लगाई जा सकती हैं, ऐसी शास्तियां लगाने के लिए सशक्त प्राधिकारी तथा अपील प्राधिकारी भारत के संविधान के अनुच्छेद 309 के अधीन बनाई गई किसी विधि या नियमों के उपबन्धों के अधीन रहते हुए वे होंगे, जो इन नियमों के परिशिष्ट ग में विनिर्दिष्ट हैं।
(2) हरियाणा सिविल सेवा (दण्ड तथा अपील) नियम, 2016 के नियम 9 के खण्ड (ग) या (घ) के अधीन आदेश पारित करने के लिए सक्षम प्राधिकारी तथा अपील प्राधिकारी भी वही होंगे जो इन नियमों के परिशिष्ट घ में विनिर्दिष्ट हैं।
- 15.** सेवा का प्रत्येक सदस्य, स्वयं को टीका लगवाएगा तथा यदि सरकार किसी विशेष या साधारण आदेश द्वारा ऐसा निर्देश करे, पुनः टीका लगवाएगा।
- 16.** सेवा के प्रत्येक सदस्य से, जब तक उसने पहले ही भारत के प्रति तथा विधि द्वारा यथा स्थापित भारत के संविधान के प्रति राजनिष्ठा की शपथ न ले ली हो, ऐसा करने की अपेक्षा की जाएगी।
- 17.** जहां, सरकार की राय में, इन नियमों के किसी उपबन्ध में ढील देना आवश्यक या समीचीन हो, वहां वह कारण लिखकर, आदेश द्वारा, व्यक्तियों के किसी वर्ग या प्रवर्ग के बारे में ऐसा कर सकती है।
- 18.** इन नियमों में, किसी बात के होते हुए भी, नियुक्ति प्राधिकारी यदि वह ऐसा करना समीचीन समझे, तो नियुक्ति आदेश में विशेष निबंधन तथा शर्तें लगा सकता है।
- 19.** इन नियमों में दी गई कोई भी बात, सरकार द्वारा, इस संबंध में समय-समय पर जारी किए गए आदेशों के अनुसार अनुसूचित जातियों, पिछड़े वर्गों, भूतपूर्व सैनिकों, शारीरिक रूप से विकलांग व्यक्तियों या व्यक्तियों के किसी वर्ग या प्रवर्ग को दिए जाने के लिए अपेक्षित आरक्षणों तथा अन्य रियायतों को प्रभावित नहीं करेगी :
परन्तु इस प्रकार से किए गए आरक्षणों की कुल प्रतिशतता किसी भी समय पचास प्रतिशत से अधिक नहीं होगी।

परिशिष्ट क
(देखिए नियम 3)

क्रम संख्या	पदनाम	पदों की संख्या			वेतनमान
		स्थायी	अस्थायी	जोड़	
1	2	3	4	5	6
1	सेवादार	05	-	05	सैल-1 स्तर -16900/- रुपये

परिशिष्ट ख

(देखिए नियम 7)

क्रम संख्या	पदनाम	सीधी भर्ती के लिए शैक्षणिक अर्हताएं तथा अनुभव, यदि कोई हो	सीधी भर्ती से अन्यथा नियुक्ति के लिए शैक्षणिक अर्हताएं तथा अनुभव, यदि कोई हो
1	2	3	4
1	सेवादार	हरियाणा ग्रुप घ कर्मचारी (भर्ती तथा सेवा की शर्तें) अधिनियम, 2018 (2018 का 5) की प्रथम अनुसूची में यथा विनिर्दिष्ट।	स्थानांतरण या प्रतिनियुक्ति द्वारा – हरियाणा ग्रुप घ कर्मचारी (भर्ती तथा सेवा की शर्तें) अधिनियम, 2018 (2018 का 5) की प्रथम अनुसूची में यथा विनिर्दिष्ट।

परिशिष्ट ग

[देखिए नियम 14 (1)]

क्रम संख्या	पदनाम	नियुक्ति प्राधिकारी	शास्ति का स्वरूप	शास्ति लगाने के लिए सशक्त प्राधिकारी	अपील अधिकारी	द्वितीय अपील प्राधिकारी
1	2	3	4	5	6	7
1	सेवादार	कार्यालयाध्यक्ष	<p>¼½ लघु शास्तियां— हरियाणा सिविल सेवा (दण्ड तथा अपील) नियम, 2016 में यथा विनिर्दिष्ट;</p> <p>(II) बड़ी शास्तियां— हरियाणा सिविल सेवा (दण्ड तथा अपील) नियम, 2016 में यथा विनिर्दिष्ट।</p>	कार्यालयाध्यक्ष	आयुक्त	सरकार

परिशिष्ट घ

[देखिए नियम 14 (2)]

क्रम संख्या	पदनाम	आदेश का स्वरूप	आदेश करने के लिए सशक्त प्राधिकारी	अपील प्राधिकारी	द्वितीय अपील प्राधिकारी
1	2	3	4	5	6
1	सेवादार	(क) पेंशन को शासित करने वाले नियमों के अधीन उसे अनुज्ञेय अतिरिक्त पेंशन की राशि में कमी करना या रोकना; तथा (ख) सेवा के किसी सदस्य की उसकी अधिवर्षिता के लिए नियत आयु के होने से अन्यथा नियुक्ति की समाप्ति।	कार्यालयाध्यक्ष	आयुक्त	सरकार

राजीव अरोड़ा,
अपर मुख्य सचिव, हरियाणा सरकार,
स्वास्थ्य विभाग।

HARYANA GOVERNMENT

FOOD AND DRUGS ADMINISTRATION DEPARTMENT

Notification

The 28th January, 2019

No. G.S.R. 8/Const./Art. 309/2019.— In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution of India, the Governor of Haryana hereby makes the following rules, regulating the recruitment and conditions of Service of persons appointed to the Haryana Food and Drugs Administration Department, Headquarter (Group D) Service. Namely:-

PART- I- GENERAL

1. (1) These rules may be called the Haryana Food and Drugs Administration Department, Headquarter (Group D) Service Rules, 2019. Short title and Commencement.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
2. In these rules, unless the context otherwise requires,- Definitions.
- (a) “Commission” means the Haryana Staff Selection Commission;
- (b) “direct recruitment” means an appointment made otherwise than by promotion from within the Service or by transfer of an official already in the Service of the Government of India or any State Government ;
- (c) “Commissioner” means Commissioner, Food and Drugs Administration, Department;
- (d) “Government” means the Haryana Government in the Administrative Department;
- (e) “Head of office” shall have the same meaning as assigned to it under the Haryana Civil Services (General) Rules, 2016.
- (f) “Institution” means :-
- (i) any institution established by law in force in the State of Haryana ; or
- (ii) any other institution recognised by the Government for the purpose of these rules ;
- (g) “Service” means the Haryana Food and Drugs Administration Department, Headquarter(Group D) Service.

PART II—RECRUITMENT TO SERVICE

- | | | | |
|----|---|--|--|
| 3. | The Service shall comprise the post shown in Appendix A to these rules : | | Number and character of posts. |
| | Provided that nothing in these rules shall affect the inherent right of the Government to make additions to or reductions in the number of such posts or to create new posts, with different designations and scales of pay, either permanently or temporarily. | | |
| 4. | <p>(1) No person shall be appointed to any post in the Service, unless he is-</p> <p>(a) a citizen of India; or</p> <p>(b) a subject of Nepal; or</p> <p>(c) a subject of Bhutan :</p> <p>Provided that a person belonging to any of the categories (b) or (c) shall be a person in whose favour a certificate of eligibility has been issued by the Government.</p> <p>(2) A person in whose case a certificate of eligibility is necessary may be admitted to an examination or interview conducted by the Commission or any other recruiting authority, but the offer of appointment may be given only after the necessary eligibility certificate has been issued to him by the Government.</p> <p>(3) No person shall be appointed to any post in the Service by direct recruitment, unless he produces a certificate of character from the principal, academic officer of the university, college, school or institution last attended, if any and similar certificates from two other responsible persons, not being his relatives who are well acquainted with him in his private life and are unconnected with his university, college, school or institution.</p> | | Nationality, domicile and character of candidates appointed to Services. |

- Age. 5. The age for recruitment to the Service shall be such as specified in section 6 of the Haryana Group D Employees (Recruitment and Conditions of Service) Act, 2018 (5 of 2018).
- Appointing authority. 6. Appointment to the posts in the Service shall be made by the Head of office.
- Qualifications. 7. No person shall be appointed to any post in the Service, unless he is in possession of qualifications and experience specified in column 3 of Appendix B to these rules in case of direct recruitment and those specified in column 4 of the aforesaid Appendix in the case of persons appointed other than by direct recruitment.
- Disqualifications. 8. No person, -
 (i) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or
 (ii) who having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person, shall be eligible for appointment to any post in the Service:
 Provided that the Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.
- Method of recruitment. 9. Recruitment to the Service shall be made, -
In case of Peon-
 (i) by direct recruitment ; or
 (ii) by transfer or deputation of an official already in the Service of any State Government or Government of India.
- Probation. 10. (1) Persons appointed to the post in the Service shall remain on probation for a period of two years, if appointed by direct recruitment and one year, if appointed otherwise :
 Provided that—
 (a) any period, after such appointment, spent on deputation on a corresponding or a higher post shall count towards the period of probation;
 (b) any period of work in equivalent or higher rank, prior to appointment to any post in the Service may, in the case of appointment by transfer, at the discretion of the appointing authority be allowed to count towards the period of probation fixed under this rule; and
 (c) any period of officiating appointment shall be reckoned as period spent on probation, but no person who has so officiated shall, on the completion of the prescribed period of probation, be entitled to be confirmed, unless he is appointed against a permanent vacancy.
 (2) If, in the opinion of the appointing authority, the work or conduct of a person during the period of probation is not satisfactory, it may, -
 (a) if such person is appointed by direct recruitment, dispense with his Services; and
 (b) if such person is appointed otherwise than by direct recruitment, -
 (i) revert him to his former post; or
 (ii) deal with him in such other manner as the terms and conditions of his previous appointment permit.
 (3) On the completion of the period of probation of a person, the appointing authority may, -
 (a) if his work or conduct has, in its opinion, been satisfactory;
 (i) confirm such person from the date of his appointment; if appointed against a permanent vacancy; or
 (ii) confirm such person from the date from which a permanent vacancy occurs, if appointed against a temporary vacancy; or

- (iii) declare that he has completed his probation satisfactory, if there is no permanent vacancy; or
- (b) if his work or conduct has, in its opinion, been not satisfactory;-
 - (i) dispense with his Service, if appointed by direct recruitment, if appointed otherwise, revert him to his former post or deal with him in such other manner, as the terms and conditions of previous appointment permit; or
 - (ii) extend his period of probation and thereafter pass such order, as it could have passed on the expiry of the first period of probation :
 Provided that the total period of probation including extension if any, shall not exceed three years.

11. Seniority, inter se of the members of the Service shall be determined by the length of continuous Service on any post in the Service: Seniority.

Provided that where there are different cadres in the Service, the seniority shall be determined separately for each cadre :

Provided further that in the case of members appointed by direct recruitment the order of merit determined by the Commission, shall not be disturbed fixing the seniority:

Provided further that in the case of two or more members appointed on the same date, their seniority shall be determined as follows :-

- (a) a member appointed by direct recruitment shall be senior to a member appointed by promotion or by transfer;
- (b) a member appointed by promotion shall be senior to a member appointed by transfer ;
- (c) in the case of a member appointed by promotion or by transfer, seniority shall be determined according to the seniority of such members in the appointments from which they were promoted or transferred; and
- (d) in the case of members appointed by transfer from different cadres, their seniority shall be determined according to pay, preference being given to a member, who was drawing a higher rate of pay in his previous appointment; and if the rates of pay drawn are also the same, then by the length of their Service in the appointments; and if the length of such Service is also the same, the older member shall be senior to the younger member.

12. (1) A member of the Service shall be liable to serve at any place, whether within or outside the State of Haryana, on being ordered so to do by the appointing authority. Liability to serve.

(2) A member of the Service may also be deputed to serve under :-

- (i) a company, an association or a body of individuals whether incorporated or not, which is wholly or substantially owned or controlled by the State Government, a Municipal Corporation or a local authority or university within the State of Haryana;
- (ii) the Central Government or a company, an association or a body of individuals, whether incorporated or not which is wholly or substantially owned or controlled by the Central Government; or
- (iii) any other State Government, an international organisation, an autonomous body not controlled by the Government or a private body:

Provided that no member of the Service shall be deputed to the Central or any other State Government or any organisation or body referred to in clause (ii) or (iii) except with his consent.

13. As specified in section 4 of the Haryana Group D Employees (Recruitment and Conditions of Service) Act, 2018 (5 of 2018). Pay, leave, pension and all other matters.

Discipline,
penalties and
appeals.

14. (1) In matters relating to discipline, penalties and appeals, members of the Service shall be governed by the Haryana Civil Services(Punishment and Appeal) Rules, 2016, as amended from time to time:

Provided that the nature of penalties which may be imposed, the authority empowered to impose such penalties and appellate authority shall, subject to the provisions of any law or rules made under article 309 of the Constitution of India, be such as are specified in Appendix C to these rules.

(2) The authority competent to pass an order under clause (c) or clause (d) of rule 9 of the Haryana Civil Services (Punishment and Appeal) Rules, 2016 and appellate authority shall be as specified in Appendix D to these rules.

Vaccination.

15. Every member of the Service shall get himself vaccinated or re-vaccinated if and when the Government so directs by a special or general order.

Oath of
allegiance.

16. Every member of the Service, unless he has already done so, shall be required to take the oath of allegiance to India and to the Constitution of India as by law established.

Power of
relaxation.

17. Where the Government is of the opinion that it is necessary or expedient to do so, it may, by order, for reasons to be recorded in writing, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

Special
provisions.

18. Notwithstanding anything contained in these rules, the appointing authority may impose special terms and conditions in the order of appointment, if it is deemed expedient to do so.

Reservations.

19. Nothing contained in these rules shall affect reservations and other concessions required to be provided for Scheduled Casts, Backward Classes, Ex-Serviceman, Physically Handicapped persons or any other class or category of persons in accordance with the orders issued by the State Government in this regard from time to time.

Provided that the total percentage of reservations so made shall not exceed fifty percent at any time.

APPENDIX A*(See rule 3)*

Serial Number	Designation of post	Number of posts			Scale of pay
		Permanent	Temporary	Total	
1	2	3	4	5	6
1	Peon	5	-	5	DL(Cell-I) ₹16900/-

APPENDIX B*(See rule 7)*

Serial Number	Designation of posts	Academic qualifications and experience, if any, for appointment by direct requirement.	Academic qualifications and experience, if any, for appointment by other than direct requirement.
1	2	3	4
1.	Peon	As specified in the first Schedule of the Haryana Group D Employees (Recruitment and Conditions of Service) Act, 2018 (5 of 2018).	By transfer or deputation :- As specified in the first Schedule of the Haryana Group D Employees (Recruitment and Conditions of Service) Act, 2018 (5 of 2018).

APPENDIX C*[See rule 14(1)]*

Serial Number	Designation of posts	Appointing authority	Nature of penalty.	Authority empowered to impose penalty	Appellate authority	Second appellate authority
1	2	3	4	5	6	7
1	Peon	Head of office	(I) Minor Penalties - As specified in the Haryana Civil Services (Punishment and Appeal) Rules, 2016. (II) Major Penalties- As specified in the Haryana Civil Services (Punishment and Appeal) Rules, 2016.	Head of office	Commissioner	Government

APPENDIX D*[See rule 14(2)]*

Serial Number	Designation of posts	Nature of order	Authority empowered to make the order	Appellate authority	Second appellate authority
1	2	3	4	5	6
1	Peon	(i) Reducing or withholding the amount of ordinary or additional pension admissible under the rules governing pension; (ii) Terminating the appointment of a member of the Service otherwise than on his attaining the age fixed for superannuation.	Head of office	Commissioner	Government

RAJEEV ARORA,
Additional Chief Secretary to Government Haryana,
Health Department.